नव भारत, भोपाल

-7 JUN 2013

अटल हिन्दी विश्वविद्यालय

मध्यप्रदेश में राजधानी भोपाल के समीप अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना न केवल राज्य बल्कि पूरे देश को एक बहुत बड़ी सौगात है. इसका स्वभाषा में शिक्षा का लक्ष्य राष्ट्र गौरव व गरिमा का लक्ष्य है. इसका नाम श्री अटलबिहारी वाजपेयी के नाम पर रखना उनके एक बहुत बड़े अंतर्राष्ट्रीय कदम का सम्मान है. निश्चित ही देश में राष्ट्रभाषा का शासन में प्रयोग का अहम् मुद्दा समाजवादी नेता डाक्टर राममनोहर लोहिया ने उठाया था, लेकिन श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा में पहली बार हिंदी में भाषण देकर उसे अंतरराष्ट्रीय सम्मान व स्तर प्रदान किया. हिंदी के संदर्भ में श्री वाजपेयी की इस अंतरराष्ट्रीय पहल को हमेशा उनके प्रति आभार व नमन् से याद किया जायेगा.

राज्य में 18 विश्वविद्यालय हैं और यह हिन्दी विश्वविद्यालय 19वां है. इस समय राज्य में 7 सामान्य शिक्षा, एक इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, एक मुक्त शिक्षा, एक पत्रकारिता, एक विधि, एक ग्रामोदय, एक संस्कृत, दो वैदिक, दो कृषि, एक संगीत व कला व एक मेडिकल साइंसेस के विविध रूपों के विश्वविद्यालय हैं. हिन्दी विश्वविद्यालय उनमें सबसे अनूठा व महत्व का है. जहां उच्च से उच्चतम शिक्षा भी हिन्दी माध्यम से उपलब्ध होगी. विश्व स्तर पर भी दूसरे देशों में हिन्दी भाषा का अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन होता है. अब सभी बड़े देशों अमेरिका, रूस, चीन, यूरोप व अन्य राष्ट्रों में हिन्दी की शिक्षा दी जा रही है. मध्यप्रदेश का हिन्दी विश्वविद्यालय विश्व में हिन्दी शिक्षा का केन्द्र बनेगा. एक बहुत बड़ी अभिनव पहल हुई है.